तर्ज-रोशन तुम्हीं से दुनिया
दिल में है इश्क सागर,खाविंद हो तुम रूहों के
पिलाते रहो,पिलाते रहो
1- जिन विध है शोभा हक की,
सोई स्यामा जी की जानो
देते हैं प्यार पूरा,नहीं कुछ भी तो कमी है
आशिक हैं हम तुम्हारे,माशूक हमारे तुम हो
पिलाते रहो..
2- शोभा मुखारबिंद की,
मुख से कही न जाए
सर्व रस भरे हैं दूल्हा,रूह देखते लुभाए
मुख मीठी अपनी रूह को,रस रसना पिलाते
तुम हो
पिलाते रहो..
3- करते हैं बातें प्यारी,
माशूक जब रूहों से
चुभ जाते रूह के तन में,हक अंग रस भरे हैं
बलि जाऊं हक चरण पे,महबूब हमारे तुम हो
पिलाते रहो...

Nijanand App